बीज नियम, 1968

(राजपत्र में तारीख 2 सितम्बर, 1968 का अंग्रेजी में यथा प्रकाशित)

सा. का. नि. 1632 – बीज अधिनियम 1966 (1966 का 54) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात –

भाग – 1

प्रारम्भिक

1. **संक्षिप्त नाम** – ये नियम बीज नियम, 1968 कहे जा सकेंगे।

2. **परिभाषाएं** – इन नियमों, में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो –

(क) "अधिनियम" से बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) अभिप्रेत है ;

(ख) "विज्ञापन" से लेबल पर के रूपणों से भिन्न वे सभी रूपण अभिप्रेत है जो अधिनियम के प्रयोजनों के लिए बीज के संबंध में किसी रीति में या किसी साधन से प्रचारित किए गए हों ;

(ग) "प्रमाणन नमूना" से अधिनियम की धारा 8 के अधीन स्थापित या धारा 18 के अधीन मान्यता प्राप्त प्रमाणन अभिकरण द्वारा या प्रमाणन अभिकरण के सम्यक रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा लिया गया, बीज का नमूना अभिप्रेत है ;

(घ) "प्रमाणन टैंग" से प्रमाणन अभिकरण द्वारा विर्निदिष्ट की जाने वाली निश्चित डिजाइन का टैग या लेबल अभिप्रेत है और वह प्रमाणन अभिकरण द्वारा अनुदत्त प्रमाणपत्र के रूप में होगा ;

(ड.) "प्रमाणित बीज" से वह बीज अभिप्रत है जो अधिनियम या इन नियमों द्वारा प्रमाणन के लिए उपबन्धित सभी अपेक्षाओं को पूरा करता हो और जिसके आधार पर प्रमाणन टैग लगा हो ;

(च) "प्रमाणित बीज उत्पादक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो प्रमाणन अभिकरण की प्रक्रिया और मानको के अनुसार, प्रमाणित बीज को उगाए या वितरित करें ;

(छ) "पूर्ण अभिलेख" से विक्रय के लिए प्रतिस्थापित, बेचे गए या अन्यथा आपूर्ति किए गए किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के बीज के उद्‌गम, उपकिस्म, किस्म अंकुरण और शुद्धता की बावज जानकारी अभिप्रेत है ;

(ज) "प्ररूप" से इन नियमों से उपाबद्ध कोई प्ररूप अभिप्रेत है ;

(झ) "उद्गम" से वह राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या विदेश अभिप्रेत है, जहां बीज उगाया गया हो और उस दशा में, जहां विभिन्न उद्गम के बीज मिला दिए गये हों, वहां लेबल प्रत्येक उद्गम के बीज की प्रतिशतता प्रदर्शित करेगा ;

(ण) "प्रसंस्करण" से सफाई, सुखाना, संप्रयोग, वर्गीकरण और ऐसी अन्य संक्रियाएं अभिप्रेत हैं जो बीज की शुद्धता और अंकुरण को बदल डालेंगी और इस प्रकार बीज की क्वालिटी के अवधारण के लिए पुनः परीक्षण की अपेक्षा होगी किन्तु इसके अन्तर्गत पैकेज बनाने और लेबल लगाने जैसी संक्रियाएं नहीं आती ;

(ट) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(ठ) "सर्विस नमूना" से केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला या राजकीय बीज प्रयोगशाला को परीक्षण के लिए दिया गया नमूना अभिप्रेत है जिसके परिणामों को बीजन, विक्रय या लेबल लगाने के प्रयोजनों के लिए जानकारी के रूप में उपयोग किया जाएगा ;

(ड) "अभिक्रियाकृत" से कतिपय, रोगाणुओं, कीटों या ऐसे अन्य नाशिकीटों को जो बीजों या उनसे उगने वाले पौधों पर आक्रमण करते है, कम, नियंत्रित या निवारित करने और अन्य प्रयोजनों के लिए बीजों का किसी रीति से प्रसंस्करण या उन पर किसी पदार्थ का प्रयोग, अभिप्रेत है।

भाग 2

केन्द्रीय बीज समिति

3. **केन्द्रीय बीज समिति के कृत्य** – अधिनियम द्वारा समिति को सौंपे गए कृत्यों के अतिरिक्त, समिति –

(क) केन्द्रीय और राज्य बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा नमूनों के विश्लेषण के लिए और प्रमाणन अभिकरणों द्वारा प्रमाणन के लिए ली जाने वाली फीसों की दर की सिफारिश करेगी ;

(ख) बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं के यथोचित्य की बावत केन्द्रीय या राज्य सरकारों को सलाह देगी ;

(ग) केन्द्रीय सरकार को अपनी सिफारिशें और अन्य संबंधित अभिलेख भेजेगी ;

(घ) बीजों के प्रमाणन, परीक्षण और विश्लेषण के लिए प्रक्रिया और मानकों की सिफारिश करेगी ; और

(ड.) ऐसे अन्य कृत्यों का, जो अधिनियम या इन नियमों द्वारा प्रदत्त किन्ही कृत्यों के अनुपूरक, आनुषंगिक या पारिणामिक हों, पालन करेगी।

4. **समिति और उसकी उपसमितियों के सदस्यों को संदेय यात्रा और दैनिक भत्ते** – समिति और उसकी उपसमितियों के सदस्य, जब कि उन्हें समिति या उसकी उपसमिति के अधिवेशन में हाजिर होने के लिए बुलाया जाए, ऐसे यात्रा एवं दैनिक भत्ते लेने के हकदार होंगे जैसे कि नीचे विनिर्दिष्ट है :

(क) समिति और उसकी उपसमिति का शासकीय सदस्य उस सरकार के, जिसके अधीन वह तत्समय नियोजित है, नियमों के अनुसार और उसी स्रोत से जिससे कि उसका और भत्ते लिया जाते हो, यात्रा एवं दैनिक भत्ते लेने का हकदार होगा।

(ख) अशासकीय सदस्य को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय–समय पर इस निमित्त दिए गए साधारण आदेशों के अनुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ते अनुज्ञात किए जाएंगे।

भाग 3

केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला

5. **कृत्य** – अधिनियम द्वारा केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला को सौपे गए कृत्यों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला निम्नलिखित कृत्य करेगी अर्थात् –

(क) भारत की सभी बीज प्रयोगशालाओं के परीक्षण परिणामों के बीज एकरूपता लाने के लिए राज्य बीज प्रयोगशालाओं के सहयोग से परीक्षण कार्यक्रमों को शुरू करना ;

(ख) बाजार में प्राप्त बीजों की क्वालिटी के संबंध में लगातार आंकड़े संगृहीत करना और इन आंकड़ों को समिति को उपलब्ध कराना ; और

(ग) ऐसे अन्य कृत्य करना जो समय–समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे समनुदिष्ट किए जाए।

भाग 4

बीज प्रमाणन अभिकरण

6. **प्रमाणन अभिकरण के कृत्य** – अधिनियम द्वारा प्रमाणन अभिकरण को न्यस्त कृत्यों के अतिरिक्त, अभिकरण –

(क) किन्हीं अधिसूचित किस्मों या उपकिस्मों के बीजों को प्रमाणित करेगा ;

(ख) आवेदन देने की प्रक्रिया की और प्रमाणन के लिए आशयित बीजों के उगाने, काटने, प्रसंस्कृत करने, संगृहीत करने और उन पर लेबल लगाने की अन्त तक की प्रक्रिया की रूपरेखा, इस बाबत आश्वस्त होने के लिए बनाएगा कि अन्तिम रूप से प्रमाणन के लिए अनुमोदित बीजों के लाट सही उपकिस्म के हैं और अधिनियम या इन नियमों के अधीन प्रमाणन के लिए विहित स्तरों के हैं ;

(ग) बीजों के मान्यताप्राप्त प्रजनकों की सूची रखेगा ;

(घ) प्रमाणन के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यह सत्यापित करेगा कि उपकिस्म प्रमाणन का पात्र है, कि रोपण के लिए उपयोग में लाया गया बीज–स्रोत अधिप्रमाणीकृत था और क्रय का अभिलेख इन नियमों के अनुसार है तथा फीस संदत्त कर दी गई है ;

(ड.) नमूना लेगा और प्रमाणन अभिकरण द्वारा अधिकथित प्रक्रियाओं के अधीन उत्पादित बीज–लाटों का निरीक्षण करेगा और ऐसे नमूनों का परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए कराएगा कि बीज प्रमाणन के विहित मानकों के अनुरूप है ;

(च) बीज प्रसंस्करण संयंत्रों का यह देखने के लिए निरीक्षण करेगा कि कहीं अन्य किस्मों और उपकिस्मों के नियमों का प्रयोग तो नही होता है ;

(छ) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्रक्रमों में उदाहरणार्थ खेतों का निरीक्षण, बीज प्रसंस्करण संयंत्र का निरीक्षण, लिए गए नमूनों का विश्लेषण और प्रमाणपत्रों (जिनके अन्तर्गत टैग, चिन्ह, लेबल ओर मुद्राएं आती है) के दिए जाने में कार्रवाई शीघ्र की जाए ;

(ज) प्रमाणित बीज के उपयोग की अभिवृद्धि करने के लिए बनाए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों को, जिसमें प्रमाणित बीज उगाने वालों और प्रमाणित बीज के स्रोतों की सूची का प्रकाशन भी आता है, कार्यान्वित करेगा ;

(झ) अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार प्रमाणपत्र (जिसके अन्तर्गत टैग, लेबल, मुद्रा आदि है) देगा ;

(ञ) ऐसे अभिलेख रखेगा जो यह सत्यापित करने के लिए आवश्यक हों कि प्रमाणित बीज के उत्पादन के लिए बीज पादप इन नियमों के अधीन ऐसे रोपण के योग्य थे ;

(ट) यह सुनिश्चित करने के लिए खेतों को निरीक्षण करेगा कि विगलन, अवांछित पौधों के निष्कासन (जहां लागू हो), नर बांझपन के उपयोग (जहां लागू हो), और समान बातों के लिए न्यूनतम मान सभी समय बनाए रखे जाते है और यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेत में बीजोढ रोग उसे विस्तार से अधिक विस्तार में मौजूद नहीं है जो प्रमाणन के लिए मानकों में उपबंधित है।

भाग 5

चिन्ह या लेबल लगाना

7. **चिन्ह या लेबल लगाने का उत्तरदायित्व** – जब धारा 7 के अधीन किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म का बीज विक्रय के लिए प्रस्थापित किया जाए तो प्रत्येक आधान पर इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट रीति में चिन्ह या लेबल लगाया जाएगा। वह व्यक्ति, जिसका नाम चिन्ह या लेबल पर वर्णित हो, चिन्ह या लेबल पर वर्णित किए जाने के लिए अपेक्षित जानकारी की यथार्थता के लिए, तब तक उत्तरदायी रहेगा जब तक कि बीज असल बन्द आधान में रखा रहे।

परन्तु ऐसा व्यक्ति, चिन्ह या लेबल पर वर्णित कथन की यर्थाथता के लिए उत्तरदायी नहीं होगा यदि बीज असल बन्द आधान से निकाल लिया गया हो, अथवा चिन्ह या लेबल पर उपदर्शित अंकुरण कथन की यथार्थता के लिए विधिमान्यता की तारीख के पश्चात् वह उत्तरदायी नहीं रहेगा।

8 **चिन्ह या लेबल की विषयवस्तु** – हर चिन्ह या लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट किए जाएंगे –

(i) अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा यथाविनिर्दिष्ट विशिष्टियां,

(ii) अन्तर्वस्तु की पूरी तौल का मीट्रिक प्रणाली में शुद्ध विवरण,

(iii) परीक्षण की तारीख

(iv) यदि आधान का बीज अभिक्रियाकृत हो, तो

(क) यह उपदर्शित करने वाला कथन कि बीज अभिक्रियाकृत है ;

(ख) सामान्यतः अभिस्वीकृत रसायन या अनुप्रयुक्त पदार्थ का रासायनिक (प्रजातीय) संक्षिप्त नाम ; और

(ग) यदि अभिक्रिया के लिए उपयोग में लाए गए और बीज के साथ उपस्थित रासायनिक द्रव्य मनुष्यों और अन्य कशेरूकी जीवजन्तुओं के लिए हानिकारक है तो एक चेतावनी देने वाला कथन, जैसे कि "खाद्य, चारा या तेल के प्रयोजनों के लिए मत प्रयोग कीजिए"। पारद और समरूप विषाक्त द्रव्यों के लिए चेतावनी शब्द "विष' होगा जो कि लेबल पर लाल रंग में टाइप आकार में स्पष्टतया संप्रदर्शित किया जायेगा ;

(v) उस व्यक्ति का नाम और पता जो बीज बेचने की प्रस्थापना करता है, उसका विक्रय करता है या उसका अन्यथा संदाय करता है और जो उसकी क्वालिटी के लिए उत्तरदायी है ;

(vi) अधिनियम की धारा 5 के अधीन यथा अधिसूचित बीज का नाम।

IndiaCode

9. **धारा 7 के खण्ड (ग) और धारा 17 के खण्ड (ख) के अधीन आधान पर चिन्ह और लेबल लगाने की रीति –**

(1) धारा 6 के खण्ड (ख) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट बीज की विशिष्टयों से युक्त चिन्ह या लेबल बीज के प्रत्येक आधान पर या उस आधान के, जिसमें बीज पैक किया गया हो, अन्तर्तम पर, सहजदृश्य स्थान पर आधान के संलग्न टैग या चिन्ह या लेबल पर और हर अन्य आवेष्टक पर जिनमें वह आधान पैक किया गया हो, वर्णित होगा और पढ़े जा सकने योग्य होगा।

(2) किसी पारदर्शी आवेष्टक, केस या अन्य आवरक परजो केवल पैकिंग, परिवहन या परिदान के लिए उपयोग में लाया जाए, चिन्ह या लेबल लगाना आवश्यक नहीं है।

(3) जहां कि इन नियमों के किसी उपबन्ध द्वारा आधान के लेबल में किन्हीं विशिष्टियों का संप्रदर्शित किया जाना अपेक्षित हो वहां ऐसी विशिष्टियां लेबल में संप्रदर्शित किए जाने के बजाय आधान पर अंकित, चित्रित या अन्यथा अमिट रूप में चिन्हित की जा सकेगी।

10. **चिन्ह या लेबल में मिथ्या या भ्रामक कथन नहीं होंगे** – चिन्ह या लेबल में ऐसा कोई कथन, दावा, डिजाइन, काल्पनिक नाम या संक्षेपाक्षर नहीं होगा जो आधान में रखे हुए बीज से संबद्ध किसी विशिष्ट की बाबत मिथ्या या भ्रामक हो।

11. **चिन्ह या लेबल में अधिनियम या इन नियमों के ऐसे निर्देश नहीं होंगे जो अपेक्षित विशिष्टियों से असंगत हो** – चिन्ह अथवा लेबल में अधिनियम या इन नियमों में से किसी का कोई निर्देश या अधिनियम या इन नियमों में से किसी के द्वारा अपेक्षित किन्हीं विशिष्टयों या घोषणा पर कोई टीकाटिप्पणी, या उसके प्रति कोई निदेश या स्पष्टीकरण नहीं होगा जो प्रत्यक्षतः या विवक्षित रूप से ऐसी विशिष्टियों या घोषणा को, खण्डित शर्तबद्ध या उपान्तरित करता हो।

12. **चिन्ह या लेबल की विषयवस्तु के लिए उत्तरदायित्व से इंकार** – किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज से सम्बन्धित चिन्ह या लेबल या किसी विज्ञापन में ऐसी कोई बात वर्णित नहीं होगी जो अधिनियम द्वारा उसके अधीन अपेक्षित ऐसे चिन्ह, लेबल या विज्ञापन पर वर्णित कथन के लिए उत्तरदायित्व के प्रति इंकार हो।

भाग 6

अपेक्षाएं

13. **धारा 7 में निर्दिष्ट कारबार चलाने वाले व्यक्ति द्वारा अनुपालन की जाने वाली अपेक्षाएं –**

(1) कोई भी व्यक्ति किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म का कोई बीज उस तारीख के पश्चात् न बेचेगा, न विक्रय के लिये रखेगा, न उसका वस्तु विनियम करेगा, और उसका अन्यथा संदाय करेगा जो चिन्ह या लेवल पर उस तारीख के रूप में अभिलिखित है जिस तक बीज की बाबत यह प्रत्याशा की जा सकती कि उसमें अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (क) के अधीन विहित अंकुरण से अन्यून अंकुरण बना रहेगा।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी बीज के आधान से संलग्न किसी चिन्ह या लेबल को न परिवर्तित करेगा, न मिटाएगा और न विरूपित करेगा।

(3) किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज को धारा 7 के अधीन बेचने वाला, विक्रय के लिए रखने वाला, बेचने की प्रस्थापना करने वाला, उसका वस्तु–विनिमय करने वाला या अन्यथा संदाय करने वाला हर व्यक्ति बेचे गये बीज के प्रत्येक लाट का पूर्ण अभिलेख तीन वर्ष की कालावधि तक रखेगा किन्तु बीज का कोई नमूना, ऐसे नमूने द्वारा रूपित संपूर्ण लाट के व्ययनित कर दिये जाने के एक वर्ष पश्चात् व्ययनित किया जा सकता है। पूर्ण अभिलेख के भाग के रूप में रखा गया बीज का नमूना उतने बड़े आकार का होगा जो राजपत्र में अधिसूचित हो। यह नमूना, यदि परीक्षण अपेक्षित हो तो, केवल शुद्धता अवधारित करने के लिए परीक्षित किया जायेगा।

14. **प्रमाणित बीज के वर्ग और स्रोत –** (1) प्रमाणित बीज के तीन वर्ग होंगे, अर्थात्, बुनियादी, रजिस्ट्रीकृत और प्रमाणित तथा प्रत्येक वर्ग उस वर्ग के निम्नलिखित मानकों को पूरा करेगा –

(क) बुनियादी बीज प्रजनक के बीज की संतति होगा या बुनियादी बीज से उत्पादित किया जायेगा जिसका सिलसिला प्रजनक के बीज से स्पष्टतः जोड़ा जा सके। उसका उत्पादन किसी बीज प्रमाणन अभिकरण द्वारा सर्वेक्षित और अनुमोदित किया जायेगा और उसकी देखभाल इस प्रकार से की जायेगी जिससे कि विशिष्ट आनुवांशिक शुद्धता और अनन्यता बनी रहे और यह अपेक्षा की जायेगी कि वह फसल के प्रमाणित किए जाने के लिए प्रमाणन मानकों को पूरा करे ;

(ख) रजिष्ट्रीकृत बीज बुनियादी बीज की संतति होगा और उसकी देखभाल इस

प्रकार की जायेगी जिससे कि किसी विशिष्ट फसल को प्रमाणित किए जाने के लिए विनिर्दिष्ट मानक के अनुसार उसकी आनुवांशिक अनन्यता और शुद्धता बनी रहे ;

(ग) प्रमाणित बीज रजिष्ट्रीकृत या बुनियादी बीज की संतति होगा जिसकी देखभाल इस प्रकार की जायेगी जिससे कि किसी विशिष्ट फसल को प्रमाणित किए जाने के विनिर्दिष्ट मानकों के अनुसार आनुवांशिक अनन्यता और शुद्धता बनी रहे।

(2) प्रमाणन के अभिकरण विवेक पर (जब पर्याप्त बीज पूर्ति बनाए रखने के लिये आवश्यक समझा जाए) प्रमाणित बीज, प्रमाणित बीज की संतति हो सकेगा परन्तु यह तब जब पुनरूत्पादन तीन पीढ़ियों से अधिक नहीं हो तथा यह और कि बीज प्रमाणन अभिकरण द्वारा वह अवधारित किया गया हो कि आनुवंशिक शुद्धता में व्यंजक परिवर्तन नहीं होगा।

भाग 7
बीजों का प्रमाणन

15. **प्रमाणपत्र के अनुदान के लिये आवेदन** – धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए हर आवेदन, प्रमाणन अभिकरण द्वारा आवेदन देने के लिए वर्णित प्रक्रिया के अनुसार, प्ररूप 1 में किया जायेगा और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां होगी, अर्थात् –

(क) आवेदक का नाम, वृत्ति और निवास स्थान ;

(ख) प्रमाणित किये जाने वाले बीज का नाम, उसकी अधिसूचित किस्म, या उपकिस्म ;

(ग) बीज का वर्ग ;

(घ) बीज का स्रोत ;

(ड.) बीज के अंकुरण और शुद्धता की सीमाएं ;

(च) बीज का चिन्ह या लेबल।

16. **फीस** – धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन हर आवेदन 25 रूपये नकद फीस के साथ करना होगा।

17. **प्रमाणपत्र** – धारा 9 की उपधारा (3) के अधीन अनुदत्त हर प्रमाणपत्र प्ररूप 2 में होगा और उक्त उपधारा उपबन्धों के अनुसार प्रमाणन अभिकरण द्वारा जांच करने के और अपना समाधान हो जाने के पश्चात् निम्नलिखित शर्तों पर, प्रमाणन अभिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली कालावधि के लिये अनुदत्त किया जाएगा, अर्थात् –

(i) वह व्यक्ति जिसे धारा 9 की उपधारा (3) के अधीन प्रमाणपत्र अनुदत्त किया जाता है, प्रमाणित बीज के हर आधान पर प्रमाणन टैंग संलग्न करेगा और चिन्ह लगाने या लेबल लगाने के बारे में अधिनियम द्वाराया उसके अधीन उपबन्धित उपबन्धों का अनुसरण करेगा ;

(ii) प्रमाणन टैंग में निम्नलिखित विशिष्टयां होंगी अर्थात् –

(क) प्रमाणन अभिकरण का नाम और पता ;

(ख) बीज की किस्म और उपकिस्म ;

(ग) बीज का लाट संख्यांक या अन्य चिन्ह ;

(घ) प्रमाणित बीज उत्पादक का नाम और पता ;

(ड.) प्रमाणपपत्र के दिए जाने की और वह कब तक विधिमान्य रहेगा इस की तारीख ;

(च) प्रमाणित बीज को अभिहित करने के लिए एक समुचित संकेत ;

(छ) बीज के वर्ग अभिधान का द्योतक कोई समुचित शब्द ;

(iii) प्रमाणन टैंग का रंग बुनियादी बीज के लिए श्वेत, रजिस्ट्रीकृत बीज के लिए बैजनी और प्रमाणित बीज के लिये नीला होगा ;

(iv) प्रमाणित बीज के आधान पर ऐसी वस्तु की और ऐसे प्ररूप में जैसा कि प्रमाणन अभिकरण अवधारित करे मुद्रा होगी और प्रमाणन टैग लगा कोई आधान किसी व्यक्ति द्वारा बेचा नहीं जाएगा यदि टैग या मुद्रा में गड़बड़ कर दी गई हो या उसे हटा दिया गया हो ;

(v) आधान का प्रमाणन टैंग निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करेगा –

(क) वह कालावधि जिसके दौरान बीज बोने या रोपण के उपयोग में लाया जाएगा ;

(ख) विधिमान्यता की वह कालावधि जिसके अवसान के पश्चात् किसी व्यक्ति द्वारा बीज का उपयोग पूर्णतः उसी के जोखिम पर होगा और प्रमाणपत्र का धारक बीज के क्रेता को किसी नुकसान के लिये उत्तरदायी नहीं होगा ;

(ग) यह कि यदि मुद्रा या प्रमाणन टैंग में गड़बड़ की गई हो तो किसी को उस बीज को क्रय नहीं करना चाहिए ;

IndiaCode

(vi) प्रमाणन का धारक बीज के उस प्रत्येक लाट के, जो विक्रय के लिए जारी किया जाए, विवरण का अभिलेख ऐसे प्रारूप में रखेगा जिससे कि वह निरीक्षण के लिए प्राप्य हो सके और प्रत्येक आधान के प्रमाणन टैग में दर्शित लाट संख्याक के प्रति निर्देश से सुगमता से पहचाना जा सके तथा ऐसे अभिलेख उस बीज की दशा में, जिसके लिए अवसान तारीख नियत की गई है, ऐसी तारीख के अवसान से दो वर्ष की कालावधि के लिए प्रतिधारित किये जाएंगे :

(vii) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में प्राधिकृत बीज निरीक्षक को किन्हीं परिसरों में जहां बीज उगाए, प्रसंस्कृत किए और बेचे जाते हो पूर्व सूचना से या उसके बिना, प्रवेश करने देगा और परिसरों, संयंत्र और प्रसंस्करण की प्रक्रिया का किसी भी उचित समय निरीक्षण करने देगा :

(viii) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किसी भी बीज निरीक्षक को इन नियमों के अधीन रखे गये सभी रजिस्टरों और अभिलेखों का निरीक्षण करने देगा और बीजों के नमूनें लेने देगा तथा बीज निरीक्षक को ऐसी जानकारी देगा, जिसकी वह यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजन से अपेक्षा करे कि उन शर्तों का, जिनके अध्यधीन प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है, अनुपालन किया गया है या नहीं :

(ix) प्रमाणपत्र का धारक, निवेदन किये जाने पर, बीज की हर लाट में से या ऐसे लाट या लाटों में से, जो उक्त अभिकरण समय–समय पर विनिर्दिष्ट करे, उतने परिणाम का नमूना जितना किसी अपेक्षित परीक्षण के लिए अभिकरण पर्याप्त समझे, प्रमाणन अभिकरण को देगा :

(x) यदि प्रमाणन अभिकरण ऐसा निर्देश दे, तो प्रमाणपत्र का धारक किसी लाट को, जिसके बारे में पूर्ववर्ती खण्ड के अधीन नमूना दिया गया है, जब तक कि अभिकरण ऐसे लाट का विक्रय प्राधिकृत न कर दे, न बेचेगा और न बेचने के लिए प्रस्थापित करेगा :

(xi) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा यह निदेश दिए जाने पर कि उक्त अभिकरण ने लाट का कोई भाग अधिनियम द्वारा या उसके अधीन विनिर्दिष्ट क्वालिटी या शुद्धता के विहित मानकों के अनुरूप नहीं पाया है, उस लाट के अवशिष्ट को विक्रय से वापस ले लेगा और मामले की विशिष्ट परिस्थितियों में, यावत्साध्य उस लाट में से पहले की गई सभी निकासियों को वापस ले लेगा :

(xii) प्रमाणपत्र का धारक अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों का और प्रमाणन अधिकरण द्वारा ऐसे धारक को एक महीने से अन्यून की सूचना देने के पश्चात् दिए गए निदेशों का अनुपालन करेगा।

भाग 8

अपील

18. **वह प्ररूप और रीति जिसमें और वह फीस जिसका संदाय करने पर अपील की जा सकेगी** –

(1) धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन अपील का हर ज्ञापन लिखित रूप में होगा और उसके साथ प्रमाणन अभिकरण के विश्चिय की, जिसके खिलाफ वह (अपील) की गई हो, एक प्रतिलिपि होगी और उसमें ऐसे विनिश्चय के प्रति आक्षेपों के आधार संक्षिप्त रूप में और सुभिन्न शीर्षों के नीचे किसी तर्क या वृतान्त के बिना उपवर्णित किये जाएंगे।

(2) अपील के हर ऐसे ज्ञापन के साथ एक सौ रूपये की राशि का खजाना रसीद होगी।

(3) अपील के हर ऐसा ज्ञापन अपीलार्थी द्वारा स्वयं या उसके द्वारा इस निर्मित लिखित रूप से सम्यक् रूपेण प्राधिकृत अभिकर्त्ता के माध्यम से उपस्थित किया जा सकेगा या रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जा सकेगा।

19. **अपील प्राधिकारी द्वारा अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया** – अधिनियम के अधीन अपीलों का विनिश्चय करने में अपील प्राधिकारी उन सभी शक्तियों को प्रयोग करेगा जो न्यायालय को होती हैं और उन्हीं प्रक्रियाओं को अनुसरण करेगा जिनका अनुसरण कोई न्यायालय सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (1908 का 5) के अधीन किसी आरम्भिक न्यायालय की डिग्री या आदेश के विरूद्ध अपीलों का विनिश्चय करने में करता है।

भाग 9

बीज विश्लेषक और बीज निरीक्षक

20. **बीज विश्लेषकों की अर्हताएं** – कोई व्यक्ति बीज विश्लेषक के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक अर्हित नहीं होगा जब तक कि –

(i) वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि या सस्य विज्ञान या वनस्पति–विज्ञान या उद्यान विज्ञान का अधिस्नातक न हो या उसके समतुल्य डिग्री प्राप्त किए हुए न हो तथा उसे बीज औद्योगिकी में एक वर्ष से अन्यून का अनुभव न हो ; या

(ii) वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि या

वनस्पति–विज्ञान का स्नातक न हो और उसे बीज औद्योगिकी में तीन वर्ष से अन्यून का अनुभव न हो।

21. **बीज विश्लेषक के कर्तव्य** – (1) विश्लेषण के लिए नमूने की प्राप्ति पर बीज विश्लेषक पहले यह अभिनिश्चित करेगा कि धारा 15 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) में यथा उपबन्धित चिन्ह और मुद्रा या बन्धन अविकल है और उस पर लगी मुद्राओं की दशा को नोट करेगा।

(2) बीज विश्लेषक, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार नमूनों का विश्लेषण करेगा।

(3) बीज विश्लेषक, विश्लेषण के परिणाम की रिपोर्ट की प्रति धारा 16 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को परिदत्त करेगा।

(4) बीज विश्लेषक राज्य सरकार को समय–समय पर रिपोर्ट भेजेगा जिनमें उसके द्वारा दिए गए विश्लेषण कार्य के परिणाम दिये होंगे।

22. **बीज निरीक्षकों की अर्हताएं** – कोई व्यक्ति बीज निरीक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए तब तक अर्हित नहीं होगा जब कि वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि स्नातक न हो और बीज उत्पादन या बीज विकास में या किसी बीज परीक्षण प्रयोगशाला में बीज विश्लेषण या परीक्षण में एक वर्ष से अन्यून का अनुभव न रखता हो।

23. **बीज निरीक्षक के कर्तव्य** – अधिनियम द्वारा विनिर्दिष्ट कर्तव्यों के अतिरिक्त बीज निरीक्षक –

(क) कि अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज के उगने, भंडारकरण या विक्रय के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सभी स्थानों का निरीक्षण उतनी बार करेगा जितनी बार प्रमाणन अभिकरण अपेक्षा करें ;

(ख) अपना यह समाधान करेगा कि प्रमाणपत्रों की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है ;

(ग) उन बीजों के, जिनके बारे में उसे यह संदेह करने का कारण हो कि वे अधिनियम या इस नियमों के उपबन्धों के उल्लंघन में उत्पादित, भण्डार–कृत या विक्रय या विक्रय के लिए प्रदर्शित किए जा रहे हैं नमूनों को, यदि आवश्यक हो, विश्लेषण के लिए लेगा, और भेजेगा ;

(घ) ऐसी किसी शिकायत का, जो कि उसे अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों के किसी उल्लंघन के बारे में लिखित रूप में की जाए, अनवेषण करेगा ;

(ड.) अपने कर्त्तव्यों के पालन में, जिनमें नमूनों का लेना और स्टाकों का अभिग्रहण भी है,

अपने द्वारा किए गए सभी निरीक्षणों और की गई सभी कार्यवाहियों का अभिलेख रखेगा और ऐसे अभिलेख को कृषि के निदेशक को या प्रमाणन अभिकरण को, जैसा कि इस निमित्त निर्दिष्ट किया जाए, भेजेगा ;

(घ) राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किए जाने पर, उन आयातित आधानों को रोक लेगा, जिनके बारे में उसे यह संदेह करने का कारण हो कि उनमें ऐसे बीज रखे है जिनका आयात, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किए जाने के सिवाय प्रतिषिद्ध है ;

(छ) अधिनियम और इन नियमों के भंग के बारे में अभियोजन संस्थित करेगा ;

(ज) ऐसे अन्य कर्त्तव्यों का पालन करेगा जो कि सक्षम प्राधिकारों द्वारा उसे सौपे जाए ;

भाग 10

नमूनों का मुद्राबन्ध किया जाना, बांधना, प्रेषण और विश्लेषण

24. **नमूने लेने की रीति** – किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ नमूने स्वच्छ सूखे आधान में लिए जायेगे जो क्षरण और नमी के प्रवेश को निवारित करने के लिए पर्याप्त रूप से कस कर बन्द किया जायेगा और सावधानीपूर्वक मुद्राबन्द किया जायेगा।

25. **आधानों पर लेबल लगाया जाना और पता लिखा जाना** – सभी आधानों पर जिनमें विश्लेषणार्थ नमूने हो, उचित रूप से लेबल लगाए जाएंगे और पार्सलों पर उचित रूप से पते लिख जाएंगे। विश्लेषण के लिए भेजे गए बीज के नमूने के लेबल पर –

(क) क्रम संख्यांक ;

(ख) प्रेषक का नाम, शासकीय पदनाम सहित, यदि कोई हो ;

(ग) उस व्यक्ति का नाम जिससे नमूना लिया गया है ;

(घ) नमूना लेने की तारीख और स्थान ;

(ड.) विश्लेषण के लिए भेजे जा रहे बीज की किस्म और उपकिस्म ;

(च) नमूने के साथ मिलाए गए परिरक्षक की, यदि कोई हो, प्रकृति और मात्रा ; दी हुई होगी।

26. **नमूनों को पैक करने, बांधने और मुद्राबन्द करने की रीति** – विश्लेषण के लिए भेजे गये बीजों के सभी नमूनें निम्नलिखित रीति में पैक किए जाएंगे और मुद्राबन्द किए जाएंगे :

(क) पहले डाट को सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा जिससे कि अभिवहन में आधानों का क्षरण निवारित हो सके। ;

(ख) तब आधान को काफी मजबूत मोटे कागज में पूरी तौर में लपेटा जाएगा। कागज के कोने सुधरे रूप में मोड़े जाएंगे और गोंद या अन्य आसंजक से चिपकाएं जाएंगे ;

(ग) कागज के आवेष्टक को मजबूत डोरी या धागे से आधान के ऊपर और बगल में और सुरक्षित किया जायगा और तब डोरी या धागे को कागज के आवेष्टक पर मुद्रा लाख के जरिए बांधा जाएगा जिस पर भेजने वाले की मुद्रा की कम से कम चार सुभिन्न और स्पष्ट छापे होंगी जिनमें से एक पैकेट के सबसे ऊपर एक पैंदी में और अन्य दो पैकेट के बीच वाले हिस्से पर होगी। डोरी या धागे की गांठों को मुद्रा लाख के जरिए ढक दिया जाएगा जिस पर भेजने वाले की मुद्रा की छाप होगी।

27. **आदेश का प्ररूप** – बीज निरीक्षक द्वारा धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन लिखित रूप में दिया जाने वाले आदेश प्ररूप 3 में होगा।

28. **अभिलेखों के लिए रसीद का प्ररूप** – जब बीज निरीक्षक धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन किसी अभिलेख, रजिस्टर, दस्तावेज या भौतिक पदार्थ का अभिग्रहण करे तो वह संबंधित व्यक्ति को प्ररूप 4 में रसीद देगा।

29. **नमूने बीज विश्लेषक को कैसे भेजे जाएंगे** – विश्लेषण के लिए नमूने का आधान बीज विश्लेषक को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या व्यक्ति के माध्यम से मुद्रा–बन्द पैकेट में भेजा जाएगा जिसके साथ एक बाहरी आवरण में बीज विश्लेषक के पते से, प्ररूप 5 में एक ज्ञापन संलग्न होगा।

30. **ज्ञापन और मुद्रा की छाप का पृथक–पृथक भेजा जाना** – बीज विश्लेषण को, ज्ञापन की एक प्रति और पैकेट को मुद्राबन्द करने में प्रयुक्त मुद्रा की छाप का एक नमूना, पृथक–पृथक रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जायेगा या उसको या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को परिदत्त किया जायेगा।

31. **नमूनें में परिरक्षकों को मिलाया जाना** – अधिनियम के अधीन विश्लेषण के प्रयोजन के लिए

बीज का नमूना लेने वाला कोई व्यक्ति नमूने में उसे विश्लेषण के लिए यथोचित दशा में बनाए रखने के प्रयोजन से, ऐसा परिरक्षक, जैसा कि समय–समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, मिला सकेगा।

32. **परिरक्षक की प्रकृति और मात्रा का लेबल पर लिखा जाना** – जब कभी कोई परिरक्षक नमूने में मिलाया जाए तो मिलाए गए परिरक्षक की प्रकृति और मात्रा आधान पर चिपकाए जाने वाले लेबल पर स्पष्टतः लिखी जाएगी।

33. **नमूने का विश्लेषण** – पैकेट की प्राप्ति पर वह या तो बीज विश्लेषक द्वारा या इस निमित्त लिखित रूप में से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोला जाएगा, और वह पैकेट पर लगी मुद्रा की दशा को अभिलिखित करेगा। नमूने का विश्लेषण केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार राज्य बीज प्रयोगशाला में किया जाएगा।

34. **सूचना का प्ररूप** – धारा 15 की उपधारा (1) या खण्ड (क) के अधीन, उस व्यक्ति को, जिससे कि बीज निरीक्षक नमूना लेना चाहता है, दी जाने वाली सूचना प्ररूप 6 में होगी।

35. **रिपोर्ट का प्ररूप** – धारा 15 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन विश्लेषण के परिणाम की रिपोर्ट प्ररूप 7 में परिदत्त की जाएगी या भेजी जाएगी।

36. **फीस** – धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला की रिपोर्ट के लिए संदेय फीस विश्लेषित बीज के प्रति नमूने के लिए दस रूपये होगी।

37. **नमूने का प्रतिधारण** – धारा 15 की उपधारा (2) के खण्ड (ग) के अधीन किसी बीज के नमूने को, अंकुरण क्षमता की हानि रोकने के लिए, ठंडे, शुष्क वातावरण और कीटरोधी या मूसकरोधी आधान प्रदान में प्रतिधारित किया जाएगा। नमूनों को कीटबाधा से बचाने के लिए आधानों में उपयुक्त कीटनाशी बुरक दी जाएगी और भंडार गृह को धूमित किया जाएगा। नमूने को भण्डार में रखने के पहले एक – सी आकृति और आकार के अच्छे क्वालिटी के आधानों में पैक किया जाएगा।

भाग 2

प्रकीर्ण

38. **अभिलेख** – धारा 7 में निर्दिष्ट कारबार करने वाला व्यक्ति निम्नलिखित अभिलेख रखेगा, अर्थात् :–

(क) बीज–स्टाक अभिलेख ;

(ख) बीजों के विक्रय का अभिलेख।

39. **ज्ञापन का प्ररूप** – धारा 14 की उपधारा (4) के अधीन तैयार किया जाने वाला ज्ञापन प्ररूप 8 में होगा।

प्ररूप 1

बीज प्रमाणन – कार्यक्रम के अधीन बीज उत्पादन के लिए आवेदन का प्ररूप

1. नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....

2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) .....

ग्राम .....

डाकघर .....

जिला .....

राज्य .....

तारघर .....

निकटतम रेलवे स्टेशन .....

टेलीफोन नं. .....

3. निकटतम नगर .....

आपके फार्म से उसकी दूरी .....

राजमार्ग सं. या पथ .....

4. प्रमाणन के लिए प्रस्तावित बीज की उपकिस्म/किस्म का नाम .....

5. प्रमाणन के लिए प्रस्तावित प्रत्येक उपकिस्म/किस्म के अधीन क्षेत्र .....

IndiaCode

6. उत्पादित किए जाने के लिए वांछित बीज का वर्ग बुनियादी/रजिस्ट्रीकृत/प्रमाणित .....

7. उपरोक्त मद 6 के लिए बीज का स्रोत (टैंग सं. और टैग की किन्हीं अन्य विशिष्टयों को भी वर्णित कीजिए) .....

8. उसी फसल की अन्य उपकिस्मों से पृथक्करण दूरी (मीटरों में) उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम .....

9. रोपण की वास्तवित या प्रस्तावित तारीख

हस्ताक्षर

तारीख

IndiaCode

(बीज प्रमाणन अभिकरण के कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

1. क्षेत्र निरीक्षणों की संख्या .....

निरीक्षणों की तारीखें .....

(निरीक्षण रिपोर्टों की प्रतिलिपि संलग्न की जाए)

2. बीज विश्लेषक की रिपोर्ट (प्रतिलिपि संलग्न की जाए) .....

3. जारी प्रमाणपत्र

टैंग संख्या .....

जारी करने की तारीख .....

किसके द्वारा दिया गया .....

हस्ताक्षर

निदेशक, बीज प्रमाणन अभिकरण

प्ररूप 2

बीज प्रमाणन अभिकरण .....

टैग संख्या .....

.....

निदेशक

बीज प्रमाणन अभिकरण

किस्म ..... उपकिस्म .....

लाट संख्या .....

अंकुरण .....

परीक्षण की तारीख ..... % से कम नहीं

प्रमाणन .....

न्यूनतम शुद्ध बीज ..... तक विधिमान्य

निष्क्रिय पदार्थ ..... % ..... %

अपतृण बीज (अधि.) ..... % ..... % से अनधिक

अन्य फसलों के बीज .....

उत्पादक (नाम और पूरा पता) ..... % से अनधिक

.....

.....

बीज का वर्ग .....

ब्या. दी.

1. बुनियादी बीज के लिए श्वेत टैंग का उपयोग किया जाए।
2. रजिस्ट्रीकृत बीज के लिए बैजनी टैंग का उपयोग किया जाए।
3. प्रमाणित बीज के लिए नीले टैंग का उपयोग किया जाए।
4. यदि बीज ठंडे और शुष्क वातावरण में भंडारकृत किया गया हो तो प्रमाणन टैंग पर उपदर्शित कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।

IndiaCode

प्ररूप 3

प्रेषिति,

(विक्रेता का नाम और पता)

.....

.....

.....

अतः मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि नीचे दिया गया, आपके पास निम्नलिखित ब्यौरे का जो बीज का स्टाक है वह बीज अधिनियम 1966, (1966 का 54) की धारा 6 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है। अतः मैं बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन आपको एतद्द्वारा निदेश देता हूँ कि आज .... तारीख से ..... की कालावधि पर्यनत उस स्टाक का व्ययन न किया जाए और निम्नलिखित त्रुटियां दूर की जाए।

.....

.....

.....

स्थान ..... बीज निरीक्षण

28 (54 - 224/74)

तारीख ..... क्षेत्र

बीज के स्टाक के ब्यौरे

.....

.....

.....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

IndiaCode

प्ररूप 4

प्रेषित,

.....

.....

.....

बीज अधिनियम, 1966 ((1966 का 54) की धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (4) के उपबन्धों के अधीन आज मैने निम्नलिखित अभिलेखों का .....

.....

..... स्थित

.....

.....

.....

..... के परिसर से, अभिग्रहण किया है।

स्थान .....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

अभिगृहीत अभिलेखों के ब्यौरे

.....

.....

.....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

IndiaCode

प्ररूप 5

बीज विश्लेषक को ज्ञापन।

ज्ञापन का क्रम सं. .....

.....

प्रेषक,

.....

बीज विश्लेषक

प्रेषित,

.....

.....

अधोवर्णित नमूना बीज अधिनियम, 1966 के धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन और/या धारा 15 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) और (ग) के अधीन परीक्षण और विश्लेषण के लिए, एतद्द्वारा, भेजा जाता है।

(1) नमूने के क्रम सं. .....

(2) संग्रह की तारीख और स्थान .....

(3) विश्लेषण/परीक्षण के लिए भेजी गई वस्तुओं की प्रकृति।

2 इस ज्ञापन की एक प्रति और नमूनों के पैकेट को मुद्राबन्द करने के लिए प्रयुक्त मुद्रा की छाप का नमूना डाक/व्यक्ति द्वारा पृथकतः भेजा जा रहा है।

बीज निरीक्षक

क्षेत्र .....

तारीख .....

*जो लागू न हो काट दी जाय।

IndiaCode

प्ररूप 6

प्रेषिति,

.....

.....

.....

मैं एतद्द्वारा आपको परीक्षण या विश्लेषण के प्रयोजनों के लिए आपके स्टाकों में से बीज का नमूना लेने के अपने आशय की सूचना देता हूँ।

तारीख .....

बीज निरीक्षक

प्ररूप 7

(बीज विश्लेषक द्वारा परीक्षण और/या विश्लेषण का प्रमाण पत्र)

प्रमाणित किया जाता है कि ..... संख्या वाले (वाले) ..... का/के तात्पर्यित नमूना (नमूने) जो _____ ..... से ज्ञापन सं. ..... तारीख _____ ..... के साथ तारीख ..... को प्राप्त हुआ था परीक्षित/विश्लेषित किया गया है/किए गए हैं और ऐसे परीक्षण/विश्लेषण का/के परिणाम निम्न कथित रूप में हैं।

.....

.....

.....

.....

2. प्राप्ति के समय पैकेट पर लगी मुद्राओं की और वाह्य आवरण की दशा निम्नलिखित रूप में थी :–

.....

.....

स्थान .....

तारीख .....

बीज विश्लेषक

केन्द्रीय प्रयोगशाला

यदि किसी अन्य विषय पर राय अपेक्षित हो तो उपयुक्त पैरा जोड़ा जा सकेगा।

प्ररूप 8

प्रेषित,

.....

.....

.....

मैंने आज के दिन ..... स्थित ..... के परिसर से नीचे विनिर्दिष्ट बीजों के नमूने बीज विश्लेषक से परीक्षा/विश्लेषण कराने के लिए, लिए है।

बीज निरीक्षक

तारीख .....

लिए गए नमूने के ब्यौरे

.....

.....

.....

.....

क्या नमूने का मूल्य मांगा गया ?

नमूने का मूल्य .....

रू. संदत्त किया गया

बीज निरीक्षक

क्षेत्र

तारीख .....

उस पक्षकार का हस्ताक्षर जिसके परिसर से नमूना लिया गया और जिसे मूल्य संदाय किया गया।

धन्य कुमार जैन,

सहायक प्रारूपकार

(एस. एम. एच. बर्नें)

संयुक्त सचिव

भारत सरकार

IndiaCode